No. of Printed Pages : 4 M04362 **MRDE-002**

M.A. (RURAL DEVELOPMENT)

Term-End Examination,

December 2019

MRDE-002 : VOLUNTARY ACTION IN RURAL DEVELOPMENT

Time : 3 Hours] *[Maximum Marks : 100*

*Note : (i) Answer all the **five** questions.*

*(ii) **All** questions carry **equal** marks.*

*(iii) Answers to question No. **1** and **2** should not exceed **800** words each.*

1. Describe the main aspects of 'Gandhian Approach' to voluntarism and rural reconstruction in India. 20

OR

Explain the role of 'Community Based Organisations' (CBOs) in the effective management of natural resources in rural India. 20

2. Discuss the basic problems faced by voluntary organisations in rural India. 20

OR

Explain the main guiding principles of Global Donor Platform for Rural Development (GDPRD). 20

3. Answer **any two** of the following questions in **400** words each.

   a) Describe the basic elements of voluntaristic theory of action. 10

   b) Highlight the important aspects of rural development experience in Ralegan Siddhi. 10

   c) Discuss the contribution in Tarun Bharat Sangh (TBS) to watershed development in rural areas. 10

4. Answer **any four** of the following in about **200** words each.

   a) Membership of a voluntary organisation 5

   b) Weber's ideal types 5

   c) Principles of administrative management of voluntary organisations 5

   d) Essential features of the 'Modern state' 5

   e) Trusts 5

   f) Relationship between United Nations and NGOs 5

5. Write short notes on **any five** of the following in about **100** words each.

   a) Goal Oriented Rational action 4

   b) Ancient Roman Republic 4

   c) Mutual Benefit Organisations 4

   d) Co-operatives and Self-help groups 4

   e) Religious Philanthropy 4

   f) Central Social Welfare Board 4

   g) NGO typology based on tasks 4

   h) Concept of PURA 4

✧✧✧✧✧✧

एम.आर.डी.ई.-002

एम.ए. (ग्राम विकास)

सत्रांत परीक्षा,

दिसंबर 2019

एम.आर.डी.ई.-002 : ग्राम विकास में स्वैच्छिक क्रिया

समय : 3 घण्टे] *[अधिकतम अंक : 100*

*नोट : (i) **सभी पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

*(ii) **सभी** प्रश्नों के अंक **समान** है।*

(iii) प्रश्न संख्या 1 और 2 के उत्तर (प्रत्येक) 800 शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1. भारत में स्वैच्छिकवाद और ग्रामीण पुनर्निर्माण के गाँधीवादी दृष्टिकोण के मुख्य पहलुओं की व्याख्या कीजिए। 20

अथवा

ग्रामीण भारत में प्राकृतिक संसाधनों के प्रभावी प्रबंधन में समुदाय आधारित संगठनों (सीबीओज) की भूमिका का वर्णन कीजिए। 20

2. ग्रामीण भारत में स्वैच्छिक संगठनों के सामने आने वाली समस्याओं की चर्चा कीजिए। 20

अथवा

ग्राम विकासार्थ वैश्विक दानदाता मंच (जी.डी.पी.आर.डी.) के दिशानिर्देशक सिद्धांतों की व्याख्या कीजिए। 20

3. निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक) लगभग 400 शब्दों में दीजिए।

   a) क्रिया के स्वैच्छिकवादी सिद्धांत के मूल तत्वों का वर्णन कीजिए। 10

   b) रालेगां सिद्धी के ग्रामीण विकास अनुभव के महत्त्वपूर्ण पहलुओं पर प्रकाश डालिए। 10

   c) ग्रामीण क्षेत्रों में वाटरशेड विकास में तरूण भारत संघ (टी.बी.एस.) के योगदान की चर्चा कीजिए। 10

4. निम्नलिखित में से **किन्हीं चार** के उत्तर (प्रत्येक) लगभग 200 शब्दों में दीजिए।

   a) स्वैच्छिक संगठन की सदस्यता 5

   b) वेबर के आदर्श प्रारूप 5

   c) स्वैच्छिक संगठनों के प्रशासनिक प्रबंधन के सिद्धांत 5

   d) आधुनिक राज्य की अनिवार्य विशेषताएँ 5

   e) न्यास 5

   f) संयुक्त राष्ट्रसंघ और एनजीओज के बीच संबंध 5

5. निम्नलिखित में से **किन्हीं पाँच** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ (प्रत्येक) लगभग 100 शब्दों में लिखिए।

   a) लक्ष्य-उन्मुख तर्कसंगत क्रिया 4

   b) प्राचीन रोमन गणराज्य 4

   c) परस्पर लाभ संगठन 4

   d) सहकारी समितियाँ और स्व-सहायता समूह 4

   e) धार्मिक परोपकार 4

   f) केंद्रीय सामाजिक कल्याण बोर्ड 4

   g) कार्यों पर आधारित एनजीओ-वर्गीकरण 4

   h) पूरा (PURA) की अवधारणा 4

✧✧✧✧✧✧